हज़रत इमाम हसन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु – महानता व गुरुत्व

जन्नती युवा के मुखिया व सरदार, पुण्यात्मा के इमाम, इमाम आ़ली मखाम सैयदना इमाम हसन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु का धन्य नाम हसन और कुन्नियत (पदवी) "अबु मुहम्मद" रज़ियल्लाहु तआला अन्हु है।

धन्य जन्म

इमाम जलाल उद्दीन सुयूती रहमतुल्लाहि अलैह ने "तारीक़ुल खुलेफा" में निम्नलिखित ये लिखा है के हज़रत हसन मुजतबा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु का धन्य जन्म 15, रमज़ान, 03 हिज्री को हुआ।

(तारीक़ुल खुलेफा, जिल्द 01, पः 76)

धन्य नाम

मुअ़जम कबीर तबरानी में रिवायत हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अ़ला मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है के आप ने अपने बड़े नंदन हज़रत सैयदना हसन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु का धन्य नाम हमज़ा तथा सैयदना हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु का धन्य नाम इन के चाचा हज़रत जअ़फर के नाम पर रखा। फिर सरकार

पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने इन का नाम हसन तथा हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हुम रखा।

(मुअ़जम कबीर तबरानी, हदीस संख्याः 2713)

हसन व हुसैन जन्नती नाम

हसन व हुसैन **ये दोनों नाम अहले जन्नत के नामों से हैं तथा इसलाम के पूर्व अ़रब ने ये दोनों नाम ना रखे।**

अ़ल्लामा इब्न हज्र मक्की हैतमी रहमतुल्लाहि अलैह ने उ़सूअ़ख अल महरखह पः 115 में रिवायत निम्नलिखित किया हैः

(मुअ़जम कबीर तबरानी, हदीस संख्याः 2515)

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु तथा हज़रत हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु का अ़खीखी कियाः

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अबदुल्लाह बिन अ़ब्बास रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हुमा से वर्णित है के हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने हज़रत हसन व हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हुमा के अ़खीखे में एक-एक दुंबा ज़िबाह किया।

(सुनन अबु दाउद, किताबुल ज़ुहाया, पः 392, हदीस संख्याः 2843 / सुनन नसाई, किताबुल अ़खीखह, हदीस संख्याः 4230)

आपकी मनोहरता

सहीह बुखारी, में हज़रत अनस मालिक रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु से रिवायत है के कोई भी व्यक्ति हज़रत हसन बिन अ़ली रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु से बढ़ कर सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम से प्रतिरूप व सरूपता रखने वाला नहीं था।

(सहीह बुखारी, किताबुल फज़ाइल अस सहाबह, हदीस संख्याः 3752)

विशेष संबोधन

मुअ़जम कबीर तबरानी, जामेअ़ अहादीस तथा कंज़ुल उम्माल में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- जन्नती महिलाओं की मुखिया सैयदा फातिमा ज़हरा रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हा से वर्णित है के वे सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के देहान्त के रोग के बीच हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु तथा हज़रत हुसैन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को आप सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम की पावन सेवा में लाएं तथा निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! ये आप के नंदन हैं। इन्हें अपनी विरासत में से कुछ प्रदान करें। तो हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने निर्देश कियाः हसन मेरी सरदारी का वारिस है तथा हुसैन मेरी सखावत व दानशीलता का।

(मुअ़जम कबीर तबरानी, हदीस संख्याः 18474 / जामेअ़ उल अहादीस, हदीस संख्याः 43493 / कंज़ुल उम्माल, हदीस संख्याः 37712)

सहीह बुखारी तथा जामेअ़ तिरमिज़ी आदि में हदीस पाक है के सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम मिम्बर (धर्मोपदेशक का आसन) पर हैं, आप के पहलू मुबारक में हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआला अन्हु थे, सरकार सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम कबी लोगों की ओर ध्यान करते तथा

कभी आप की ओर ध्यान करते। आप ने निर्देश कियाः मेरा ये बेटा सरदार व मुखिया है, निश्चय अल्लाह तआ़ला इस के द्वारा मुसलमानों की दो बड़ी जमातों में समझौता (मध्यमार्ग) करेगा।

(सहीह बुखारी, किताबुल सुलह, हदीस संख्याः 2704 / जामेअ़ तिरमिज़ी, किताबुल मनाखिब, 4142 / सुनन अबु दाउद, किताबुल ुसन्नह, हदीस संख्याः 4664 / सुनन नसाई, किताबुल जुमअ़, हदीस संख्याः 1421)

हज़रत हसन व हुसैन रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम जन्नत की जन्नत में सुन्दरता

इमाम तबरानी की मुअ़जम औसत तथा कंज़ुल उम्माल,में रिवायत हैः-

भाषांतरः- जब जन्नती लोग जन्नत में रहेंगे तो जन्नत विनती करेगी, पालनहार! क्या तूने वचन नहीं किया के तू, दो अरकान से मुजे आभूषण करेगी? तो अल्लाह तआ़ला क आदेश होगाः क्या मैं ने तुझे हसन व हुसैन रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम से संबोधित नहीं किया? ये सुन कर जन्नत दुल्हन के प्रकार गर्व व नाज़ करने लगेगी।

(मुअ़जम औसत तबरानी, हदीस संख्याः 343 / जामेअ़ अल अहादीस, हदीस संख्याः 1331 / अल जामेअ़ अल कबीर लिल सुयूती, हदीस संख्याः 1342 / मजमअ़ उज़ ज़वाइद, हदीस संख्याः 15096 / कंज़ुल उम्माल, जिल्द 13, पः 106, हदीस संख्याः 34290)

अहले बैत से मुहब्बत का परिणाम

मुसतदरक अ़ला सहिहैन में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है के आप ने फरमायाः हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने मुझे बताया के (आप के साथ) सब से पूर्व जन्नत में प्रवेश होने वालों में मैं, फातिमा रज़ियल्लाहु तआला अन्हा, हसन तथा हुसैन रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम होंगे। मैं ने निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! हम से मुहब्बत व स्नेह करने वाले कहाँ होंगे? आप सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश फरमाया- तुम्हारे पीछे होंगे।

इमाम हाकिम ने फरमाया के ये हदीस सहीह अल असनाद है।

(मुसतदरक अ़ला सहिहैन, हदीस संख्याः 4706)

सुनन इब्न माजह में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अबु हुरैरह रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु से वर्णित है के हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश फरमायाः जिस ने हसन तथा हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हुमा से मुहब्बत व स्नेह किया, इस ने वास्तव में मुझ ही से मुहब्बत व स्नेह किया एवं जिस ने हसन तथा हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हुमा से द्वेष रखा इस ने मुझ ही से द्वेष रखा।

(सुनन इब्न माजह, हदीस संख्याः 148)

उदारता व दानशीलता

एक बार हज़रत इमाम हसन, इमाम हुसैन तथा हज़रत अबदुल्लाह बिन जअ़फर रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हुमा मदीने पाक से हज्ज के लिए मक्के की ओर जा रहे थे तथा रास्ते में एक बूढ़ी महिला का घर था।

ये लोग इस के घर गए तथा उस से फरमाए के कुछ पिलाउ, फिर वह बुढ़िया उन सब लोग को बकरी का दूध पिलाई, आप लोगों ने फरमाया- क्या खाने व भोजन के लिए कुछ है?

उस बुढ़िया ने निवेदन कियाः मेरे पास इस बकरी के सिवा कुछ भी नहीं है। इस को ज़िबाह कीजिए और भोजन करीए। अर्थात इस बकरी को ज़िबाह कर के पकाया गया तथा सभों ने खाया, इस के बाद उन लोग ने इस बुढ़िया से फरमायाः हम खुरैश से हैं, तुम मदीने पाक आना हम कुछ देंगें।

ये लोग तो चले गए, इस बुढ़िया का पति दरिद्र हो कर मदीने पाक आए तथा मेहनत व मज़दूरी से गुज़र करने लगे। संयोग से इस बुढ़िया का गुज़र हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु के भवन से हुआ।

इस बुढ़िया ने नहीं पहचाना। हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु ने उस को पहचान कर फरमायाः अए बुढ़िया! क्या तू मुझे जानती है? उस ने कहाः नहीं। आप ने फरमायाः तेरा उस दिन का अतिथि व मेहमान हुं के जिस को तू ने दूध और बकरी के गोश्त से भरण-पोषण किया था।

फिर आप ने उस को 1000 बकरी तथा 1000 अशरफी दे कर हज़रत हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु के पास भेजा।

हज़रत हुसैन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु ने भी 1000 बकरी तथा 1000 अशरफी दे कर हज़रत अबदुल्लाह बिन जअ़फर रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु के पास भेज दिया। इन्हों ने भी 2000 अशरफी तथा 2000 बकरियां उस बुढ़िया को दिया। बुढ़िया 4000 बकरियां तथा 4000 अशरफी ले कर धनवान व संपन्न हो कर पति के पास आई।

(शहादतनामा, हज़रत मुहद्दिस देक्कन अलैहि रहमा, पः 19)

ख़ौफ़ व भय

एक बच्चे को देखा गया के वे पावन मक्के के हरम में रेत पर सर मलते तथा रोते जाते थे। अल्लाह के शौख में बेसुधे थे। नज़दीक आकर जब लोगों ने देखा तो मालूम हुआ के वे बच्चा हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु हैं।

इन्हों ने कहाः तुम्हारे नाना क़यामत के दिन के शाफअ़ (शफाअ़त करने वाले) हैं। तुम्हारे पिता आ़ली मखाम, तुम्हारी माता फातिमा तुम को क्या भय व ड़र है?

आप (रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु) ने फरमायाः ये दरबार माता-पिता की बुज़ुर्गी करने का स्थान नहीं है। यहाँ तो कृपा व दया के उम्मीदवार व आशापूर्ण रहना चाहिए।

(शहादतनामा, हज़रत मुहद्दिस देक्कन अलैहि रहमा, पः 91)

आपकी करामतें

एक बार हज़रत इमाम हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु कुछ लोगों के साथ यात्रा में थे। एक खजूर बन में पहुंचे जो सूख गया था। एक सूखे वृक्ष के नीचे आप के लिए बिस्तर बिछाया गया। साथियों ने कहाः काश इस वृक्ष को खजूर होते तो हम भोजन करते।

हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु फरमाएः क्या खजूरों की इच्छा है? साथियों ने कहाः जी हाँ! राजकुमार ने दुआ़ के लिए हाथ उठाए मुंह ही मुंह में कुछ पढ़े। वृक्ष हरा-भरा हो गया। खजूर लगे और पक्के हुए।

आप के साथ जो शत्रबान था इस ने कहाः ये जादू है। साथियों ने कहाः ये जादू नहीं है। अरे ये हज़रत हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु की स्वीकृत दुआ़ व प्रार्थना होने का प्रभाव है। सभों ने इन खजूरों को खाया।

(शहादतनामा, हज़रत मुहद्दिस देक्कन अलैहि रहमा, पः 93)

विशाल शहादत

इ़माम आली मखाम हज़रत सैयदना इमाम हसन रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु की विशाल शहादत 05 रब्बी उ़ल अव्वल, 50 हिज़्री तथा एक रिवायत के अनुसार 49 हिज़्री मदीने पाक में हुई।

आप को विष व ज़हर दे कर शहीद किया गया। आप (रज़ियल्लाहु तआ़ला अन्हु) की पावन समाधि जन्नतुल बखीअ़ शरीफ में है।

(तारीकुल खुलेफा, जिल्द 01, पः 78)

लेखकः हज़रत मौलाना मुफती हाफिज़ सैय्यद ज़ियाउद्दीन नक्षबंदी खादरी, महाध्यापक, धर्मशास्त्र, जामिया निज़ामिया, प्रवर्तक/संचालक, अबुल हसनात इसलामिक रीसर्च सेन्टर।

www.ziaislamic.com